

प्रथम सूचना रिपोर्ट

(अन्तर्गत धारा 154 दण्ड प्रक्रिया संहिता)

1. जिला चौकी, एसीबी, अजमेर थाना.सीपीएस, एसीबी, जयपुर वर्ष .. 2021.....
- प्र. इ. रि. स. 95/22 दिनांक 23/3/22
2. (अ) अधिनियम ... 1980 नि० अधिनियम 1988धारायें...7 भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018
(ब) अधिनियम भारतीय दण्ड संहिता धारायें.
(स) अधिनियमधारायें.....
(द) अन्य अधिनियम एवं धारायें
3. (अ) रोजनामचा आम रपट सख्या 441 समय 6:30 PM
(ब) अपराध घटने का दिन-दिनांक 30.08.2021.... समय दोपहर.
(स) थाना पर सूचना प्राप्त होने का दिनांक 29.08.2021 समय.....01.00 पीएम.....
4. सूचना की किस्म :- लिखित/मौखिक - लिखित
5. घटनास्थल :-
(अ) पुलिस थाना से दिशा व दूरी - दिशा दक्षिण-पूर्व 8 किमी
(ब) पता - कनिष्ठ अभियन्ता, दौराई रेलवे स्टेशन अजमेर, बीट सख्या
जरायमदेही सं.....
(स) यदि इस पुलिस थाना से बाहरी सीमा का है तो पुलिस थाना.....जिला.....
6. परिवादी/सूचनाकर्ता :-
(अ) नाम.... श्री महेन्द्र कुमार.....
(ब) पिता का नाम श्री प्रेमराज
(स) जन्म तिथि /वर्ष 55 साल.....
(द) राष्ट्रीयता.....भारतीय
(य) पासपोर्ट सख्याजारी होने की तिथि.....
जारी होने की जगह.....
(र) व्यवसाय..... अध्यापक.....
(ल) पता ... नेहरु गेट विटठल बस्ती, चिमन सिंह लोढा गली, ब्यावर, अजमेर हाल अध्यापक रा० उ० प्रा० विधायक नीमझर, तहसील देवगढ जिला, राजसमन्द
7. ज्ञात/अज्ञात संदिग्ध अभियुक्तों का ब्यौरा सम्पूर्ण विशिष्टियों सहित :-
1. श्री अफजल खान पुत्र श्री मौहम्मद यस्सिन, निवासी लोधा का बाडिया पोस्ट कलाड तहसील ब्यावर जिला अजमेर हाल ट्रेकमेन्टेनर-IV / ट्रौली मैन अधीन एसएसई/पीडब्ल्यू/ बागड ग्राम, उत्तरी पश्चिम रेलवे मण्डल अजमेर
8. परिवादी/सूचनाकर्ता द्वारा इत्तला देने में विलम्ब का कारण :-कोई नहीं.....
9. चुराई हुई / लिप्त सम्पत्ति की विशिष्टियां (यदि अपेक्षित होतो अतिरिक्त पन्ना लगायें)
.....
10. चुराई हुई /लिप्त सम्पत्ति का कुल मूल्य नंचनामा/ यू.डी. केस सख्या (अगर हो तो).....
11. विषय वस्तु प्रथम इत्तिला रिपोर्ट (अगर अपेक्षित हो तो अतिरिक्त पन्ना लगाये).....

सेवा में, श्रीमान् अति० पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अजमेर विषय रिश्वत मांगने की शिकायत के संबंध में। "निवेदन है कि मेरा नाम महेन्द्र कुमार जूनवाल है तथा मैं नेहरु गेट विटठल बस्ती ब्यावर जिला अजमेर का रहने वाला हूँ। करीब पांच-छः महिने पहले मेरी मुलाकात ब्यावर के पास गढी थोरीयान गांव (बायला) के रहने वाले अफजल खान से जान-पहचान हुयी। अफजल ने स्वयं को रेलवे स्टेशन दौराई अजमेर पर कनिष्ठ अभियन्ता के पद पर पदस्थापित होना बताया। उसने मुझे कहा कि रेलवे में महेश मीणा जो अजमेर में बड़े पद पर लगे हुए है उनसे मेरी अच्छी जान पहचान है। उसने मुझे कहा कि इनके पास एक पद हेतु स्थायी नौकरी लगाने की पावर है। इस सन्दर्भ में मैं मेरे बेटे मनीष कुमार जूनवाल की नौकरी की बात हुयी, तो उसने कहा कि पहले बंगला पीऑन (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी) के रूप में दो-तीन साल का अनुभव बताकर रेलवे में ग्रुप डी में मेरे बेटे को भर्ती का रखने का वायदा किया एवं सवा तीन लाख रुपये की रिश्वत की मांग की है। अफजल ने एक आवेदन फार्म भी भरवाया तथा रेलवे अस्पताल से मेडिकल फिट का प्रमाण पत्र जिनकी छाया प्रति प्रार्थना पत्र के संलग्न है। उसने मुझसे सवा तीन लाख रुपये मांगे तब मेने मेरे खाता संख्या 0376514000065 यस बैंक देवगढ राजसमन्द का राशि 3,25,000 रु० दिनांक 09.06.21 का चैक दिया जो उसने बैंक में लगा दिया। परन्तु मेरे खाते में पैसे नहीं होने के कारण वो चैक क्लीयर नहीं हो सका। श्री अफजल मेरे पुत्र श्री मनीष कुमार जूनवाल को ग्रुप डी रेलवे में लगवाने की एवज में 3,25,000 रु० रिश्वत की मांग कर रहा है। मैं उसे रिश्वत नहीं देकर

July

रिश्वत लेते पकड़वाना चाहता हूँ। कृपया कार्यवाही करें।" प्रार्थी महेन्द्र कुमार जूनवाल, नेहरू गेट बाहर विट्ठल बस्ती ब्यावर अजमेर, दिनांक 29.08.2021 मो0न0 9414739097

कार्यवाही पुलिस एसीबी अजमेर

समय 01.00 पीएम

दिनांक 29.08.2021

उपरोक्त लिखित रिपोर्ट परिवादी श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री प्रेमराज जाति रेगर उम्र 55 साल निवासी नेहरू गेट विट्ठल बस्ती, चिमन सिंह लोढा गली, ब्यावर, अजमेर हाल अध्यापक रा0 उ0 प्रा0 विधायल नीमझर, तहसील देवगढ जिला, राजसमन्द ने उपस्थित कार्यालय होकर मन पुलिस निरीक्षक मीरा बेनीवाल के समक्ष प्रस्तुत की। प्रस्तुत प्रार्थना पत्र परिवादी को पढ़कर सुनाया तो सही होना स्वीकार किया। परिवादी से दरियाफत की तो बताया कि "दौराई रेलवे स्टेशन पर कार्यरत श्री अफजल खान, कनिष्ठ अभियन्ता मेरे बेटे मनीष कुमार को रेलवे के बड़े अफसर श्री महेश मीणा को कहकर उसके नाम से 3.25 लाख रुपये रिश्वत लेते हुये को रंगे हाथों पकड़वाना चाहता हूँ।" परिवादी से दरियाफत की गई तो प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों की ताईद करते हुए बताया कि श्री अफजल खान कनिष्ठ अभियन्ता मेरे बेटे मनीष कुमार को रेलवे के बड़े अफसर श्री महेश मीणा को कहकर उसके नाम से 3.25 लाख रुपये रिश्वत की मांग कर रहा है। जो मैं नहीं देना चाहता हूँ। मेरी श्री अफजल से कोई रंजिश व उधार का लेन-देन बकाया नहीं है। दिनांक 30.08.21 को परिवादी के उपस्थित आने पर परिवादी को डिजीटल वॉइस रेकार्डर ऑपरेट करना समझाकर मय मैमारी कार्ड के सुपुर्द कर कानिस्टेबल त्रिलोक सिंह नं0 24 को भेजकर रिश्वत राशि मांग सत्यापन हेतु भिजवाया। जिस पर अफजल खान ने 3.25 लाख रुपये रिश्वत राशि की मांग की। जिस पर परिवादी ने उसे 50,000 रु0 की व्यवस्था कर दो-तीन दिन में देने के लिए कहा तथा बाकि पैसे बाद में देने के लिए कहा। वॉइस रेकार्डर में रेकार्ड वार्ता को सुना तो रिश्वत राशि मांग का सत्यापन होना पाया गया। परिवादी ने रिश्वत राशि की व्यवस्था कर दिनांक 05.09.21 तक उपस्थित आने का कहा। जिस पर परिवादी को रूख्त किया गया। दिनांक 04.09.21 को परिवादी से जरिए दूरभाष वार्ता हुयी तो उसने अपना एम्स जोधपुर में ऑपरेशन होना बताते हुए दिनांक 08.09.21 तक कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा। दिनांक 08.09.21 को श्री महेन्द्र कुमार परिवादी उपस्थित कार्यालय आया तथा दो स्वतन्त्र गवाह सर्व श्री पीयूष पारीक सहायक द्वितीय एवं श्री दिनेश सक्सैना सहायक प्रथम संस्थापन शाखा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर के उपस्थित आने पर परिवादी व गवाहान का आपस में परिचय कराया तथा गवाहान को परिवादी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पढ़वाकर की जाने वाली ट्रेप कार्यवाही में बतौर स्वतन्त्र गवाह उपस्थित रहने की सहमति चाहने पर दोनों गवाहान ने स्वैच्छा से अपनी-अपनी सहमति प्रदान की। तत्पश्चात परिवादी एवं गवाहान की मौजूदगी में रिश्वत राशि मांग सत्यापन वार्ता की फर्द ट्रांस्क्रिप्ट तैयार की जाकर सम्बन्धित के हस्ताक्षर कराये गए तथा उक्त वार्ता को कम्प्यूटर की सहायता से दो डब सीडी आईओ व आरोपी हेतु तैयार की गई एवं मूल मैमोरी कार्ड को एक सफेद कपड़े की थैली में सिल्डचिट कर सम्बन्धित के हस्ताक्षर कराये गए। इसके बाद परिवादी श्री महेन्द्र कुमार ने रिश्वत में दी जाने वाली राशि 2,000-2,000 रु0 के 25 नोट कुल 50,000 रु0 पेश किये। जिनके नम्बर फर्द में अंकित कर कार्यालय के श्री श्योपाल कानि0 नं0 272 से फिनोफ्थलीन पावडर लगवाया जाकर परिवादी की पहनी हुई पेन्ट की दाहिनी जेब में रखवाये गए। दृष्टान्त देकर परिवादी व गवाहान को फिनोफ्थलीन पावडर व सोडियम कार्बोनेट पावडर की रासायनिक प्रक्रिया समझायी गई। उक्त कार्यवाही की फर्द तैयार की जाकर सम्बन्धित के हस्ताक्षर कराये गए। तत्पश्चात परिवादी व गवाहान का सभी ट्रेप पार्टी सदस्यों से आपस में परिचय कराया गया। सभी के हाथ साफ पानी व साबुन से धुलवाये गए। परिवादी को लेन-देन वार्ता रेकार्ड करने हेतु डिजीटल वॉइस रेकार्डर सुपुर्द करना चाहा तो बताया कि मैं पहले अफजल खान से उसके मोबाईल नं0 9001190036 पर बात कर उसकी लोकेशन मालुम कर लेता हूँ। इस पर वॉइस रेकार्डर का स्पीकर ऑन कर परिवादी के मोबाईल नं0 9414739097 से फोन मिलाकर वार्ता करायी तो आरोपी ने दौराई रेलवे स्टेशन पर बुलाया उक्त वार्ता रेकार्ड की गई एवं परिवादी को डिजीटल वॉइस रेकार्डर ऑपरेट करना समझाकर सुपुर्द किया गया। इसके बाद नन् निरीक्षक पुलिस मय कैलाश कानि0, स्वतन्त्र गवाहान मय ट्रेप बॉक्स व लेपटॉप-प्रिन्टर मय सरकारी वाहन मय चालक शिव सिंह कानिस्टेबल नं0 547 व श्री प्रभुलाल निरीक्षक पुलिस, श्री रामचन्द्र हैड कानि0, श्री

Shiv

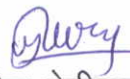
त्रिलोक सिंह कानि० मय परिवारी श्री महेन्द्र निजी वाहन से एवं श्री राजेश कानि० व श्री किरण कुमार कनिष्ठ सहायक के निजी स्कूटर से दौराई रेलवे स्टेशन अजमेर की तरफ वास्ते ट्रेप कार्यवाही हेतु रवाना हुए। दौराई रेलवे स्टेशन के पास पहुचकर परिवारी को रेलवे स्टेशन के लिए रवाना किया। परिवारी रेलवे स्टेशन के अन्दर गया व बिना ईशारा किये ही वापस चाय की दुकान पर आकर बैठ गया। इस पर परिवारी से सम्पर्क किया तो उसने बताया कि श्री अफजल खान रेलवे स्टेशन पर नहीं मिला। मेने उससे मोबाईल पर बात की तो उसने साहब के साथ चितोडगढ के लिए निकलना बताया ओर शाम को सम्पर्क करने हेतु कहा। कानिस्टेबल राजेश को परिवारी को अपनी स्कूटी पर बैठाकर ब्यूरो कार्यालय पहुचने हेतु निर्देशित किया एवं मन् निरीक्षक पुलिस मय हमराहियान के ब्यूरो कार्यालय अजमेर पहुचे। जहां परिवारी व राजेश कानिस्टेबल भी उपस्थित मिले। परिवारी से वॉइस रेकार्डर प्राप्त कर सुरक्षित रखा गया। परिवारी से रिश्वत राशि के नोट खाकी रंग के लिफाफे में रखवाकर प्राप्त किये गए। तत्पश्चात परिवारी व गवाहान की उपस्थिति में दिनांक 08.09.21 को परिवारी व आरोपी के मध्य मोबाईल पर हुयी वार्ता को सुनकर फर्द ट्रांस्क्रिप्ट तैयार की जाकर सम्बन्धित के हस्ताक्षर कराये गए एवं उक्त वार्ता की दो सीडी आरोपी व आईओ हेतु तैयार की जाकर अलग-अलग कागज के लिफाफे में रखी गयी। मूल मैमोरी कार्ड को एक सफेद कपडे की थैली में डालकर सिल्डचिट कर सम्बन्धित के हस्ताक्षर कराये जाकर आलमारी में सुरक्षित रखे गये। इसके बाद कुछ दिन तक आरोपी ने परिवारी से सम्पर्क नहीं किया। दिनांक 27.11.21 को परिवारी ने जरिए दूरभाष बताया कि मेरी आज श्री अफजल से बात हुयी उसने मेरे द्वारा पूर्व में उसको दिये गए एक लाख रुपये लौटाने के लिए कहा तथा कल दिनांक 28.11.21 को रुपये लेने के लिए मुझे अजमेर बुलाया है। परिवारी को दिनांक 28.11.21 को उपस्थित आने के लिए कहा गया। दिनांक 28.11.21 को परिवारी ने जरिए दूरभाष बताया कि आज सुबह मेरी अफजल से बात हुयी तो उसने कहा कि हमारे विभाग के कर्मचारी की मृत्यु हो जाने से खरवा तहसील ब्यावर आया हुआ हूँ। मैं दो-तीन बजे तक अजमेर आकर आपसे मिलता हूँ। मैं मेरे जीजाजी के पास नारेली रुका हुआ हूँ अफजल के अजमेर आते ही सूचित करूंगा। सायं तीन पीएम पर परिवारी से वार्ता की तो उसने बताया कि मेरी अफजल से थोड़ी देर पहले ही बात हुयी है उसने कहा कि मैं फ्री होकर आपको फोन कर दूंगा। सायं 5 पीएम पर परिवारी ने फोन पर कहा कि अभी तक अफजल अजमेर नहीं आया है अब उसके आने की सम्भावना भी नहीं है। मेरे घर पर जरूरी काम है, जैसे ही अफजल का फोन आएगा, मैं आपको बता दूंगा। इस पर परिवारी को आवश्यक हिदायत दी गयी। दिनांक 25.12.21 को परिवारी महेन्द्र कुमार ने जरिए दूरभाष बताया कि मेने कई बार अफजल से मोबाईल पर बात करने की कोशिश की लेकिन उससे मेरा सम्पर्क नहीं हो सका। अफजल ने दिनांक 28.11.21 को मेरे यस बैंक के खाता नम्बर 037651400006524 में 80,000 रु० व 20,000 रु० कुल एक लाख रु० जमा करा दिये है। क्योंकि उसके पास मेरा चैक है जिसमे खाता नम्बर अंकित है। श्री अफजल ने मेरे खाते में रुपये ट्रांसफर करने का स्क्रीन शॉट मेरे जीजाजी श्री अशोक के मोबाईल पर वाट्सएप पर भेजा ओर मेरे जीजाजी ने मुझे वाट्सएप पर मैसेज किया। मुझे पूरा विश्वास है कि अफजल अब मेरे से पैसे नहीं लेगा। इस पर परिवारी को दिनांक 27.12.21 को कार्यालय में उपस्थित होने की हिदायत दी गई। दिनांक 27.12.21 को परिवारी उपस्थित कार्यालय आया और पूछताछ करने पर बताया कि मैंने कई बार श्री अफजल से मोबाईल पर बात करने की कोशिश की मगर उससे सम्पर्क नहीं हुआ। श्री अफजल ने मेरे लडके मनीष कुमार को रेलवे में भर्ती करवाने के लिए मेरे से 4.50 लाख रु० मांगे थे। मेने श्री अफजल को एक लाख रुपये जून, 2021 में नगद दिये थे। अब श्री अफजल को शायद शक हो गया है इसलिए उसने मुझे पूर्व में ली गई रिश्वत राशि एक लाख रु० दिनांक 28.11.21 को मेरे खाते में जमा करा दिये है। श्री अफजल अब मेरे से रिश्वत नहीं लेगा। अब इसमे आगे कोई कार्यवाही की सम्भावना नहीं है। परिवारी ने रिश्वत राशि 50,000 रु० लौटाने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया, जिस पर उक्त राशि परिवारी को लौटायी गयी।

उपरोक्त तथ्यो एवं अब तक की कार्यवाही से आरोपी श्री अफजल खान ट्रोली मैन द्वारा परिवारी के पुत्र श्री मनीष कुमार को रेलवे में ग्रुप डी में भर्ती कराने के नाम पर पूर्व में 4.50 लाख रु० रिश्वत राशि की मांग कर परिवारी से एक लाख रुपये प्राप्त करना एवं दौराने रिश्वत राशि मांग सत्यापन वार्ता परिवारी से 3.25 लाख रु० मांगते हुए 1.25 लाख रु० तत्काल देने के लिए कहा। जिस पर परिवारी द्वारा 50,000 रु० दो-तीन दिन में देने की

Wavy

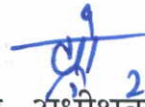
कहा। शेष रूपये सितम्बर माह के अंत तक देने के लिए कहा। आरोपी द्वारा रिश्वत राशि की मांग करना पाया गया जो आरोपी श्री अफजल खान, ट्रोली मैन का उक्त कृत्य जुर्म धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (संशोधित) 2018 का कारित करना पाया जाता है।

अतः आरोपी श्री अफजल खान, ट्रोली मैन उत्तरी पश्चिम रेलवे अजमेर द्वारा परिवादी के पुत्र श्री मनीष कुमार को रेलवे में गुप डी में भर्ती कराने के नाम पर पूर्व में 4.50 लाख रू० रिश्वत राशि की मांग कर परिवादी से एक लाख रूपये प्राप्त करना एवं दौराने रिश्वत राशि मांग सत्यापन वार्ता परिवादी से 3.25 लाख रू० मांगते हुए 1.25 लाख रू० तत्काल देने के लिए कहा गया जिस पर परिवादी श्री महेन्द्र कुमार द्वारा 50,000 रू० दो-तीन दिन में देने की कहा गया तथा शेष रूपये सितम्बर माह के अंत तक देने के लिए कहा। इस प्रकार आरोपी श्री अफजल खान द्वारा रिश्वत राशि मांग करना पाया गया है। श्री अफजल खान पुत्र श्री मौहम्मद यासिन, निवासी लोधा का बाडिया पोस्ट कलाड तहसील ब्यावर जिला अजमेर हाल ट्रेकमेन्टेनर-IV/ट्रोली मैन उत्तरी पश्चिम रेलवे अजमेर का उक्त कृत्य जुर्म धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (संशोधित) 2018 का कारित करना पाया जाने आरोपी श्री अफजल खान के विरुद्ध बिना नम्बरी प्रथम सूचना रिपोर्ट तैयार कर वास्ते कमांकन श्रीमान महानिदेशक पुलिस भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, राजस्थान जयपुर की सेवा मे सादर प्रेषित है।


(मीरा बेनीवाल)
पुलिस निरीक्षक,
भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो,
अजमेर।

कार्यवाही पुलिस

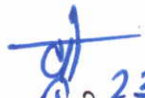
प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त टाईप शुदा बिना नम्बरी प्रथम सूचना रिपोर्ट श्रीमती मीरा बेनीवाल, पुलिस निरीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अजमेर ने प्रेषित की है। मजमून रिपोर्ट से जुर्म अन्तर्गत धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (यथा संशोधित 2018) में अभियुक्त श्री अफजल खान, ट्रेकमेन्टेनर-IV /ट्रोल्ली मैन अधीन एसएसई/पीडब्ल्यू/बागड ग्राम, उत्तरी पश्चिम रेलवे मण्डल अजमेर के विरुद्ध घटित होना पाया जाता है। अतः अपराध संख्या 95/2022 उपरोक्त धारा में दर्ज कर प्रथम सूचना रिपोर्ट की प्रतियाँ नियमानुसार कता कर तफ्तीश जारी है।


23.3.22
पुलिस अधीक्षक-प्रशासन,
भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जयपुर।

क्रमांक 843-47 दिनांक 23.3.2022

प्रतिलिपि:-सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

1. विशिष्ट न्यायाधीश एवं सेशन न्यायालय, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, अजमेर।
2. अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जयपुर।
3. वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर समन्वय, उत्तर पश्चिम रेलवे, अजमेर।
4. उप महानिरीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अजमेर।
5. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अजमेर।


23.3.22
पुलिस अधीक्षक-प्रशासन,
भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जयपुर।